डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति
साहित्य अकादेमी आयोजित
युवा उर्दू लेखक सम्मिलन

नई दिल्ली, 5 मई 2018 : साहित्य अकादेमी द्वारा अकादेमी सभाकक्ष, नई दिल्ली में युवा उर्दू लेखक सम्मिलन का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन प्रख्यात उर्दू कथाकार और 'आलमी उर्दू अदब' के संपादक श्री नंदकिशोर विक्रम ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने युवाओं को नई तकनीक का बेहतर इस्तेमाल करते हुए अपने अनुभवों को गहराई से अभिव्यक्त करने का आह्वान किया। उन्होंने भाषा को सजग होकर बरतने की अपील की। आरंभ में साहित्य अकादेमी के विशेष कार्याधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार देवेश ने औपचारिक स्वागत करते हुए युवा लेखकों को ध्यान में रखकर अकादेमी की पुरस्कार, प्रकाशन एवं कार्यक्रम संबंधी योजनाओं के बारे में संक्षेप में बताया। अपने आरंभिक वक्तव्य में अकादेमी के उर्दू भाषा परामर्श मंडल के संयोजक एवं प्रतिष्ठित उर्दू शायर शीन काफ निजाम ने कहा कि उनकी कोशिश रहेगी कि अकादेमी के कार्यक्रमों में उन मकबूल लेखकों को शामिल किया जाए, जो अब तक अकादेमी के मंच तक नहीं पहुँचे हैं। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में वरिष्ठ उर्दू शायर और स्वतंत्रता सेनानी गुलजार देहलवी अपने आठ दशकों के अनुभव के हवाले से नौजवान लेखकों से रूबरू हुए और अपनी रूबाइयाँ भी सुनाईं।

सम्मिलन का प्रथम सत्र कहानी–पाठ का था, जो हिंदी–उर्दू के चर्चित कथाकार मुशर्रफ आलम जौकी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस सत्र में सालिक जमील बराड़, मोहम्मद हादी और शहनाज रहमान ने अपनी कहानियों का पाठ किया। शहनाज की कहानी 'राजमहल' नेपाल की राजशाही पृष्ठभूमि पर केंद्रित थी। सालिक जमील बराड़ की कहानी 'बोझ' किसान जीवन पर आधारित थी, जिसमें एक बूढ़ा किसान अपने बूढ़े बैल की स्थितियों से अपनी तुलना करता है। मोहम्मद हादी की कहानी 'घोंसला' शहरी जीवन के अनुभवों से सराबोर थी, जिसमें यह गहरी चिंता भी शामिल थी कि कैसे हम पुस्तकों से दूर होने के साथ संवेदनाओं से भी दूर होते जा रहे हैं।

कविता–पाठ का द्वितीय सत्र शहजाद अंजुम की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें आदिल रजा मंसूरी, फौजिया रबाब, विशाल खुल्लर, जतिंदर परवाज, खान मोहम्मद रिजवान, फरमान चौधरी और कसीम अख्तर ने अपनी गजलें और नज्मों का पाठ किया। फौजिया रबाब ने एक सुंदर गीत भी सुनाया। जीवन के विभिन्न अनुभवों से सराबोर शायरी का श्रोताओं ने भरपूर लुत्फ उठाया। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में शहज़ाद अंजुम ने इस अनूठे समागम के लिए साहित्य अकादेमी का शुक्रिया अदा किया और बेहतरीन शायरी के लिए सभी शायरों को बधाई दी।

डॉ. के. श्रीनिवासराव